### VAC 1: साहित्य संस्कृति और सिनेमा

### Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility	Pre-requisite
title & Code		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice	criteria	of the course
साहित्य संस्कृति	02	1	0	1	Pass in Class 12 <sup>th</sup>	NIL
और सिनेमा				in the second		

### **Learning Objectives**

The Learning Objectives of this course are as follows:

- साहित्य , संस्कृति और सिनेमा के माध्यम से छात्रों का सर्वांगीण विकास करना
- छात्रों को नैतिक,सांस्कृति क और संवैधानि क मूल्यों के प्रति जागरूक करना
- भारतीय ज्ञान परंपरा,वैज्ञानि क दृष्टि कोण और तार्किक क्षमता को प्रोत्साहित करना
- साहित्य, संस्कृति और सि नेमा के माध्यम से राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत करना
- सामूहिक कार्यों के माध्यम से सम्प्रेषण,प्रस्तुतीकरण एवं कौशल दक्षता
  विकसित करना

#### Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- साहित्य ,संस्कृति और सिनेमा के माध्यम से नैतिक,सांस्कृतिक और संवैधानिक मूल्यों की समझ वि कसि त होगी
- भारतीय ज्ञान परंपरा और नैतिक मूल्यों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बनेगा
- वैचारि क समझ एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा
- परियोजना के माध्यम से संप्रेषण एवं प्रस्तुति करण दक्षता का विकास होगा
- छात्रों के व्यक्तित्व का सर्वां गीण विकास होगा



# SYLLABUS OF साहित्य संस्कृति और सिनेमा

# UNIT – । साहित्य,संस्कृति और सिनेमा का सामान्य परिचय

- (2 Weeks)
- साहित्य, संस्कृति और सिनेमा : परिभाषा और स्वरूप
- साहित्य , संस्कृति और सिनेमा का अंत:संबंध

## UNIT – II साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा

(6 Weeks)

- साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा में परिकल्पना
- साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा की प्रासंगि कता
- •साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा- आनंदमठ 1952, तीसरी कसम 1966, रजनीगंधा 1974, पद्मावत 2016

# UNIT – III हिन्दी सिनेमा में सामाजिक –सांस्कृतिक मूल्यों की अभिव्यक्ति (7 Weeks)

- सामाजि क सांस्कृति क मूल्य
- सामाजि क सांस्कृति क मूल्य के शक्ति शाली उपकरण के रूप में सि नेमा
- हि न्दी सि नेमा में अंतर्नि हि त सामाजि क- सांस्कृति क मूल्य मदर इंडि या 1957, बंदिनी 1963, पूरब और पश्चि म 1970, हम आपके हैं कौन 1994, टॉयलेट: एक प्रेमकथा 2017

### Practical component (if any) -

(15 Weeks)

- भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित लघु फिल्म हेतु पटकथा लेखन (8-10 मि नट )
- साहित्यिक रचनाओं का फिल्मांतरण (8-10 मिनट ); यह सामूहिक क्रियाकलाप होगा
- राष्ट्रप्रेम, कुटुंब, शांति, पर्या वरण, जल-संरक्षण, स्वच्छता, मित्रता, सत्यनिष्ठा, कर्मनिष्ठा, समरसता में से किसी एक विषय पर मूक फिल्म निर्माण (8-10 मि नट)
- आवश्यक हो, तो छात्र प्रोजेक्ट रिपोर्ट के रूप में अपने अन्भव साझा करें
- Any other Practical/Practice as decided from time to time



## Essential/Recommended readings

- 'संस्कृति क्या है (निबंध) सस्ंकृति ,भाषा और राष्ट्र, रामधारी सिहं दिनकर, लोक भारती प्रकाशन,2008,पृष्ठ संख्या 60-64.
- साहित्य का उद्देश्य(निबंध ) ,प्रेमचंद ,एस. के.पब्लिशर्स,नई दि ल्ली,1988,पृष्ठसंख्या 7-18.
- भारतीय संस्कृति के स्वर,महादेवी वर्मा , राजपाल एंड संस प्रकाशन 2017 .
- हि ंदी सिनेमा ; भाषा ,समाज और संस्कृति (लेख), पृष्ठ संख्या 11-18 भाषा ,साहित्य ,समाज और सस्कृति खंड 6,प्रो. लालचंद राम, अक्षर पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स,2020
- सिनेमा और साहित्य का अंतःसंबंध (लेख) पृष्ठ संख्या 30-34,साहित्य और सिनेमा,
  परुषोत्तम कंु दे (संपा.) साहित्य सस्थान,2014
- साहित्यिक रचनाओं का फिल्मांतरण (लेख) पृष्ठ संख्या 206-212,लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ ,जवरीमल पारख, अनामि का पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा.लि., 2019

### Suggested readings

- सिनेमा और संस्कृति ,राही मासूम रजा, वाणी प्रकाशन, प्रकाशन वर्ष, 2018.
- जीवन को गढ़ती फिल्में, प्रयाग शुक्ल
- सिनेमा और संसार, उदयन वाजपेयी
- साहित्य,संस्कृति और समाज परिवर्तन की प्रक्रि या(नि बंध)अज्ञेय,
  संपाoकृष्णदत्तपालीवाल, सस्ता साहित्य मंडल,नई दि ल्ली, 2010, पृष्ठसंख्या 25-41
- सिनेमा समकालीन सिनेमा ,अजय ब्रह्मात्मज,वाणी प्रकाशन,2006
- कल्चर इन्डस्ट्री रिकन्सि डर्डः पृष्ठसंख्या- 98-106 कल्चरइन्डस्ट्रीःथ्योडोरएडोर्नो , राउटलेज (भारतीयसंस्करण )
- दि सिग्निफिकेन्स ऑफ कल्चर इन अन्डर्स्टैंडिंग ऑफ सोशल चेंज इन कन्टेम्परिर इंडियाः पृष्ठसंख्या- 25-39.
- कल्चर चेंज इन इंडियाःआइडिन्टेटी एंड ग्लोबलाइजेशनः योगेन्द्र सिहं .रावत पब्लिकेशन,
  जयपुर,भारत.

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

